International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030; Impact Factor: RJIF 5.24
Received: 22-01-2019; Accepted: 27-02-2019
www.advancedjournal.com
Volume 4; Issue 2; March 2019; Page No. 72-77

पर्यटन उद्योग में कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता (खजुराहो पर्यटन स्थल के विशेष संदर्भ में)

तरूण प्रताप सिंह [1], शेषमणि मिश्रा [2], प्रमोद कुमार सिंह [3*]

[1, 2] प्राध्यापक समाजशास्त्र, संजय गाँधी स्मृति शासकीय स्वशासी महाविद्यालय सीधी, मध्य प्रदेश, भारत।

[3] अतिथि विद्वान, पर्यटन प्रबंधन, संजय गाँधी स्मृति शासकीय स्वशासी महाविद्यालय सीधी, मध्य प्रदेश, भारत।

सारांश

व्यावसायिक गतिशीलता एक प्रक्रिया है। प्रत्येक समाज में लोग एक पेशे से दूसरे पेशे को अपनाते रहे हैं, क्योंकि कोई भी समाज पूर्ण रूप से अमुक्त नहीं है। अर्थात गतिशीलता की प्रक्रिया किसी न किसी रूप में सदैव चलती रहती है। स्थिर समाजों में जहाँ पेशा वंशानुगत होता था अब वहाँ भी व्यावसायिक गतिशीलता देखने को मिलती है। व्यावसायिक गतिशीलता को प्रभावित करने वाले अनेक कारक हैं किन्तु गतिशीलता की मात्रा मुख्य रूप से सामाजिक कारकों से प्रभावित होती है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिलाएँ इच्छित परिवर्तन की ओर अग्रसर हैं ताकि वे समय के साथ व्यवसाय में संलग्न रह सके। पारिवारिक सामंजस्य और व्यावसायिक कारकों के बीच तालमेल विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के स्वरूपों के अनुसार प्रभावित होता है। पर्यटन के क्षेत्र में विविध प्रकार के रोजगारों से जुड़ी महिलाओं के कार्य करने में व्यतीत समय, व्यावसायिक संतुष्टि और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच टकराव की स्थिति बन जाती है तथा कार्यशील महिलओं को तनवा से गुजरना पड़ता है। जबकि उच्च आय प्रदान करने वाले रोजगार/व्यवसाय से पारिवारिक सहयोग और परस्पर तालमेल को बढ़ावा मिलता है। अतः व्यावसायिक गतिशीलता सामाजिक विकास और नियोजन का एक महत्वपूर्ण अंग है, इससे महिलाओं में सामाजिक–आर्थिक गतिशीलता को प्रोत्साहन मिलता है। प्रस्तुत अध्ययन में खजुराहो नगर में पर्यटन उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों यथा– खरीददारी (हस्तकला, हथकरघा, दस्तकारी, एम्पोरियम, दुकाने, शोरूम), परिवहन, ट्रेवल ऐजेसी व टूर आपरेशन, होटल एवं रेस्ट्रेरेन्ट व्यावसाय आदि में कार्यरत महिलाओं में व्यावसायिक गतिशीलता तथा सामाजिक समायोजन में साहचर्य एवं दृष्टिकोणों को उनकी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में प्राप्त आंकड़ों व तथ्यों के आधार पर विश्लेषित किया गया है।

मूल शब्द : व्यावसायिक गतिशीलता, पर्यटन उद्योग, कार्यशील महिलाओं।

1. प्रस्तावना

मध्य प्रदेश में स्थित चंदेल राजाओं द्वारा निर्मित खजुराहो के मंदिर अपना प्रमुख स्थान रखते हैं, साथ ही अपने कलात्मक मूर्तिशिल्प के वैभव के लिए संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हैं। खजुराहो युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित होने के कारण यहाँ पर आवागमन के सभी साधना उपलब्ध हैं। यहाँ का पर्यटन न केवल आर्थिक विकास में सहायक है अपितु आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि यह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न खण्डों के विकास को उत्प्रेरित करता है। इस नगर को देखना एक अत्यन्त सुखद अनुभव है। नगर सब प्रकार से समृद्ध है। मन्दिरों के बाहर सामान्य ढंग से बात करते हुए अगरबत्ती, फूल–मालाएँ या अन्य छोटी–मोटी वस्तुएँ बेचने वाली महिलाएँ व बच्चे प्रायः दिखाई दे जाते हैं। कहने का तात्पर्य यहाँ पर सभी को उनकी क्षमता के अनुसार कुछ न कुछ रोजगार उपलब्ध है। नगर में होटल व्यवसाय, एयरलाइन्स सेवाएँ, टूर एवं ट्रेवल्स, टूरिस्ट गाइड सहित विविध उपहार सामग्री की दुकाने संचालित हैं।[1] देशी–विदेशी पर्यटकों की संख्या अधिक होने से व्यवसायिक क्रियाएँ उत्तरोत्तर गतिशील हैं। स्थानीय विकास में व्यावसायिक गतिशीलता ने महिलाओं के लिए रोजगार नियोजन का अवसर बढ़ाया है।

पर्यटन उद्योग में कार्यरत महिलाओं की स्थिति अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक गंभीर है, क्योकि अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा इस क्षेत्र में कार्यरत महिलाएँ अपने घर व परिवार से दूर रहती हैं। साथ ही उन्हें अन्य सामाजिक, मनौवैज्ञानिक और पर्यावरण जनित समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है जिसका समाधान इन्हें स्वयं ही करना होता है। ऐसी स्थिति में कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता प्रभावित होती है।[2] ये कार्यक्षेत्र में अपने कैरियर के साथ–साथ अपनी परम्परागत भूमिका और व्यावसायिक भूमिका दोनों के साथ समायोजन करती हैं।[3] पारिवारिक दशा, वैवाहिक स्थिति, बच्चों के भविष्य इत्यादि के संबंध में महिलाएँ अधिक संवेदशील, जागरूक व परम्परावादी होती हैं।[4] इसलिए परिवार की इकाई का एक अभिन्न अंग होने के कारण इस सदंर्भ में इनके दृष्टिकोण का अध्ययन करना प्रासांगिक है।

2. उद्देश्य

महिलाओं में व्यावसायिक गतिशीलता, परिवार व कार्यस्थल की विविध भूमिकाओं तथा उनसे उत्पन्न मनोवैज्ञानिक तनाव व संघर्षो के बारे में तथ्यपरक मूल्यांकन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. कार्यशील महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण।
2. व्यवसाय के चयन में सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षिक कारकों का योगदान एवं अवरोधक कारकों का विश्लेषण।
3. व्यावसायिक भूमिका व परम्परागत भूमिका के प्रति कार्यरत महिलाओं के दृष्टिकोण व समायोजन का विश्लेषण।
4. कार्यशील महिलाओं का कैरियर एवं व्यावसायिक गतिशीलता से संबंधित तथ्यों का विश्लेषण।
5. कार्यशील महिलाओं की महत्वाकांक्षा व व्यावसायिक संतुष्टि का विश्लेषण।

3. विधितंत्र एवं शोध प्रारूप

अध्ययन का प्रारूप अन्वेषणात्मक व विवरणात्मक प्रकृति का है। अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग हुआ है। प्राथमिक सूचनाएँ संरचित साक्षात्कार अनुसूची व निरीक्षण प्रविधि द्वारा प्राप्त किया गया है, जबकि द्वितीयक आंकड़ें शोध आलेख,

शोध प्रतिवेदन, निगम/संस्था प्रतिवेदनों द्वारा प्राप्त किये गये हैं। साक्षात्कार अनुसूची में व्यावसायिक गतिशीलता की स्थिति को जानने व समझने के लिए 14 प्रश्नों का एक समूह तैयार किया गया। प्रत्येक प्रश्न एक कथन के रूप में था जिसमें प्रत्येक कथन के संबंध में महिला उत्तरदाताओं का मत ज्ञात किया गया। प्रश्न के अनुरूप उत्तरदाताओं का अभिमत जानने के लिए 'सही', 'अंशतः सही', और 'सही नहीं' तीन प्रकार के विकल्प दिये गये जिनमें से किसी एक का चुनाव करना आवश्यक था। कार्यरत महिलाओं में गतिशीलता स्तर को जानने हेतु अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार के दृष्टिकोण को क्रमानुगत महत्व देते हुए प्राप्तांक दिये गये। जिसमें सर्वाधिक 3 अंक अनुकूल दृष्टिकोण के लिए जबकि न्यूनतम 1 अंक प्रतिकूल दृष्टिकोण के लिए तथा इन दोनों के बीच अनिश्चित दृष्टिकोण के लिए 2 अंक रखे गये। इस प्रकार 14 प्रश्नों के समूह के लिए उत्तरदाता के लिए कुल मिलाकर अधिकत्मक 42 अंक तथा न्यूनतम 12 अंक रखे गये। अध्ययन में गतिशीलता प्राप्ताकों को स्पष्ट करने के लिए 'अगतिशील', 'तटस्थ' तथा 'गतिशील' तीन प्रकार की श्रेणियाँ बनायी गयी। अगतिशील श्रेणी के अन्तर्गत वे महिला कर्मिक सम्मिलित हैं जो अपेक्षकृत परम्परावादी दृष्टिकोण रखती हैं, जिनमें शिक्षा, जागरूकता एवं स्वतंत्रता के प्रति उदार दृष्टिकोण कम पाया गया जाता है। तटस्था की श्रेणी में वे महिला कर्मिक हैं जो गतिशीलता के प्रति न तो अधिक अनुदार रहती हैं और न ही अधिक उदार। जबकि गतिशील श्रेणी में उन महिला कर्मिकों को रखा गया जो व्यवसाय की दशाओं, शिक्षा, जागरूकता, अपनी भूमिकाओं व पदोन्नति इत्यादि के प्रति अत्यधिक उदार हैं। तत्पश्चात् उत्तरदाताओं के गतिशीलता प्राप्ताकों का माध्य तथा माध्य विचलन निकाला गया। उत्तरदाताओं के माध्य प्राप्तांक में एक बार माध्य विचलन को जोड़ा गया तथा एक बार घटाया गया। इस प्रकार प्राप्ताकों के आधार पर गतिशीलता की ऊपरी तथा निचली दोनों सीमाएँ निर्धारित की गयी।

4. परिकल्पनाएँ

अध्ययन को संगठित, सुव्यवस्थित व तर्क संगत बनाने हेतु निम्न परिकल्पनाओं का परीक्षण अध्ययन में किया है–

1. पर्यटन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की व्यावसायिक स्थिति उनकी जाति, उम्र, आय, शिक्षा, वैवाहिक स्थिति व व्यवसाय इत्यादि की भिन्नताओं से संबंधित है जिससे व्यावसायिक गतिशीलता भिन्न–भिन्न होती है।
2. पर्यटन उद्योग में कार्यरत महिलाएँ अपने कैरियर के प्रति उच्च महत्वाकांक्षा रखती हैं जिससे उनमें परम्परागत घरेलू दायित्वों व भूमिकाओं के प्रति लगाव कम होता है।
3. कार्यरत महिलाएँ अपने परिवार से बाहर कार्य करने से महिलाओं में मानसिक तनाव परिलक्षित होता है।
4. महिलाओं में व्यवसाय व पेशे के प्रति जागरूकता में अभिवृद्धि हुई है।
5. पति–पत्नी का कार्यस्थल भिन्न होने से व्यावसायिक गतिशीलता प्रभावित होती है।

5. परिणाम एवं विवेचना

पर्यटन उद्योग में कार्यरत महिलाओं की प्रास्थिति, व्यावसायिक गतिशीलता तथा सामाजिक समायोजन के विभिन्न पहलुओं के बारे में किये गये अध्ययन से ज्ञात होता है कि कार्यशील महिलाओं में कार्यशीलता के प्रति व्यापकता है, क्योंकि विभिन्न समाजों की महिलाओं में गतिशीलता की विविधता अलग–अलग होती है। व्यावसायिक गतिशीलता की मात्रा को प्रभावित करने वाले बहुत से सामाजिक–आर्थिक कारक होते हैं और यही कारक गतिशीलता को प्रभावित करते हैं।[5] महिलाओं में इन्हीं कारको से व्यावसायिक उन्मुखता एवं गतिशीलता की स्थिति का परीक्षण किया गया है। कार्यशील महिलाओं द्वारा चयनित कार्यक्षेत्र, कार्य विभाजन, जातिगत, उम्रगत, शिक्षागत, आयगत, वैवाहिक स्थिति, पारिवारिक संरचना व व्यावसायिक प्रास्थिति के संदर्भ में गतिशीलता की मात्रा का विवेचना निम्नानुसार है–

5.1. चयनित महिलाओं का कार्यक्षेत्र व उनकी संख्या

पर्यटन क्षेत्र में उद्यमशीलता का स्तर बहुआयामी है। इस क्षेत्र में कार्यशीलता का स्तर बहु क्षेत्रीय होने के कारण महिलाओं को कैरियर नियोजन हेतु अधिक अवसर प्राप्त होते हैं जिससे पर्यटन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएँ आसानी से रोजगारित है।[6] प्रस्तुत अध्ययन के संदर्भ में खजुराहों नगर में कार्यरत महिलाओं का चुनाव किया है। जिसका विवरण तालिका क्रमांक 5.1 में प्रदर्शित है–

तालिका 5.1: चयनित महिला उत्तरदाताओं की संख्या व उनके कार्यक्षेत्र

क्र.सं.	महिलाओं का कार्यक्षेत्र	संख्या	प्रतिशत
1.	खरीदारी (शापिग) क्षेत्र	129	32.25
2.	परिवहन क्षेत्र	61	12.25
3.	ट्रेवल ऐजेसी एवं टूर अपरेशन क्षेत्र	69	17.25
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेट	141	35.25
योग		400	100.00

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

तालिका द्वारा प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि पर्यटन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की सर्वाधिक संख्या होटल एवं रेस्ट्रारेट के क्षेत्र में (35.25 प्रतिशत) है जबकि सबसे कम परिवहन (सड़क, रेल, एवं वायु परिवहन) के क्षेत्र में (12.25 प्रतिशत) है।

5.2. कार्यषील महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता की स्थिति

कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता विषयक सामान्य दृष्टिकोण को जानने के लिए गतिशील, अगतिशील और तटस्थ कुल तीन श्रेणियाँ बनाई गयी। महिलाओं की गतिशीलता की स्थिति को तालिका क्रमांक 5.2 में व्यक्त किया गया है –

तालिका 5.2: कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता की स्थिति

क्र.सं.	गतिशीलता श्रेणी	प्राप्तांक	संख्या	प्रतिशत
1.	अगतिशील श्रेणी	14 से 24	108	27.00
2.	तटस्थ श्रेणी	24 से 34	159	39.75
3.	गतिशील श्रेणी	34 से 42	133	33.25
योग		कुल 42 प्रश्न	400	100.00

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

प्राप्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि कुल 400 महिला उत्तरदाताओं में से 27 प्रतिशत महिलाएँ अगतिशील श्रेणी अर्थात शिक्षा जागरूकता व अपनी स्वतंत्रता के प्रति उदार है। ऐसी महिलाएँ परम्परावादी दृष्टिकोण रखने वाली हैं। इसी प्रकार 39.75 प्रतिशत महिलाएँ अपने विचार व दृष्टिकोण के प्रति न ही उदार हैं और न ही अनुदार हैं। 33.25 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाएँ गतिशील श्रेणी अर्थात व्यावसायिक दशा, शिक्षा, जागरूकता, स्थिति एवं स्वयं की भूमिका के प्रति अधिक उदार स्वभाव की हैं। कार्यरत महिला उत्तरदाताओं के गतिशीलता प्राप्तकों का माध्य 28.68 प्राप्त हुआ। जबकि 7.79 माध्य विचलन प्राप्त हुआ। माध्य विचलन को माध्य से जोड़ने पर ऊपरी सीमा 35.56 तथा घटाने पर निचली सीमा 26.79 जो व्यावसायिक गतिशीलत के स्तर को व्यक्त करती हैं।

5.3. कार्यशील महिलाओं की जातीय प्रास्थिति

भारतीय सामाजिक व्यवस्था में जातीय संस्तरण एक प्रधान पक्ष है। इसका प्रभाव व्यक्ति के सामाजिक–सांस्कृतिक एवं आर्थिक अर्थात प्रत्येक क्षेत्र में पड़ता है।[7] जातीय प्रास्थिति के विश्लेषण से विभिन्न जातिगत समूहों की कामकाजी महिलाओं में व्यावसायिक दृष्टिकोण ज्ञात करने के लिए अध्ययन क्षेत्र के सभी कामकाजी जातियों को निम्न, मध्यम और उच्च तीन प्रकार के जातीय समूहों में बाटा गया। प्राप्त आंकड़ों आंकड़ों को तालिका क्रमांक 5.3 में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका 5.3: कार्यशील महिलाओं की जातीय प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	जातीय प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	निम्न श्रेणी	18.36	52.00	29.64	100
		मध्यम श्रेणी	27.00	48.00	28.00	100
		उच्च श्रेणी	24.00	55.00	21.00	100
2.	परिवहन क्षेत्र	निम्न श्रेणी	30.00	60.00	10.00	100
		मध्यम श्रेणी	25.33	44.15	30.52	100
		उच्च श्रेणी	23.22	45.46	31.32	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी क्षेत्र	निम्न श्रेणी	25.00	40.00	35.00	100
		मध्यम श्रेणी	31.35	46.10	22.55	100
		उच्च श्रेणी	24.10	37.36	38.54	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	निम्न श्रेणी	30.00	60.00	10.00	100
		मध्यम श्रेणी	60.00	65.05	22.35	100
		उच्च श्रेणी	30.00	47.00	23.00	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि खजुराहो नगर में कार्यरत महिलाएँ होटल व्यवसाय के अन्तर्गत तटस्थ स्थिति में हैं। अलग–अलग जातीय श्रेणियों की स्थिति के आधार पर विश्लेषित करने पर स्पष्ट होता है कि निम्न जाति समूह की महिलाएँ अन्य जातियों की तुलना में जहाँ अगतिशील है वहीं मध्यम जाति समूह की महिलाएँ अल्प गतिशील है, जबकि इसके विपरीत उच्च जाति समूह की महिलाएँ व्यावसायिक दृष्टि से अधिक गतिशील है। यद्यपि मध्यम जाति समूह की महिलाओं में गतिशीलता का प्रतिशत उच्च है।

5.4. कार्यशील महिलाओं की उम्रगत प्रास्थिति

व्यावसायिक गतिशीलता के संबंध में सभी व्यक्तियों का दृष्टिकोण एक समान नहीं होता है। आयु के साथ–साथ गतिशीलता का दृष्टिकोण परिवर्तित होता रहता है। आयु के साथ–साथ व्यक्ति में सोचने–समझने की शक्ति का अधिक विकास होता है।[8] अध्ययन क्षेत्र की कार्यशील महिलाओं की आयुगत स्थिति को विश्लेषित करने हेतु उत्तरदाता महिलाओं को तीन समूह नवयुवती महिला समूह (18 से 25 वर्ष), युवती महिला समूह (26 से 40 वर्ष) तथा प्रौढ़ महिला समूह (41 से 55 वर्ष) में विभाजित किया गया है, प्राप्त आंकड़ों का प्रदर्शन निम्नानुसार है–

तालिका 5.4: कार्यशील महिलाओं की उम्रगत प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	उम्रगत प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	नवयुवती महिला समूह	21.22	23.29	55.58	100
		युवती महिला समूह	27.62	20.85	51.53	100
		प्रौढ़ महिला समूह	65.66	02.00	32.34	100
2.	परिवहन क्षेत्र	नवयुवती महिला समूह	21.00	35.18	44.82	100
		युवती महिला समूह	19.17	34.36	46.47	100
		प्रौढ़ महिला समूह	41.00	27.00	32.00	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी टूर आपरेशन क्षेत्र	नवयुवती महिला समूह	26.00	18.00	56.00	100
		युवती महिला समूह	17.00	33.00	50.00	100
		प्रौढ़ महिला समूह	46.10	12.00	31.90	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	नवयुवती महिला समूह	14.00	31.00	55.00	100
		युवती महिला समूह	17.62	35.10	47.28	100
		प्रौढ़ महिला समूह	46.65	27.65	25.70	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

प्राप्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि खजुराहो नगर में कार्यशील महिलाओं में केवल 18 से 28 वर्ष की नवयुवतियाँ व 26 से 40 वर्ष की युवतियों की संख्या सबसे अधिक है जो सभी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। अर्थात उक्त समूह की महिलाओं में व्यवसायिक गतिशीलता का स्तर उच्च है जबकि 41 से 55 वर्ष की बीच प्रौढ महिलाओं में व्यवसायिक गतिशीलता के प्रति दृष्टिकोण घटता हुआ प्रतीत होता है। वस्तुतः ऐसा आयु व शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण से है। जहाँ युवतियाँ उच्च शिक्षित व कार्य के प्रति लगनशील होती हैं वहीं प्रौढ़ महिलाओं में शिक्षा का स्तर व आयु दोनों का प्रभाव उनके कार्यशीलता के प्रति घटता है।

5.5. कार्यशील महिलाओं की आयगत प्रास्थिति

सामाजिक–आर्थिक गतिशीलता के निर्धारिण में आय की विशेष भूमिका होती है। व्यक्ति के वर्ग के निर्धारण में सम्पत्ति व आय महत्वपूर्ण आवश्यक तत्व होते हैं।[9] इसलिए प्रत्येक समाज में आय को प्रमुख माना जाता है। आय के आधार पर महिलाओं को निम्न आय समूह, मध्यम आय समूह तथा उच्च आय समूह में विभाजित किया गया है। प्राप्त आंकड़ों को तालिका क्रमांक 5.5 में व्यक्त किया गया है–

तालिका 5.5: कार्यशील महिलाओं की आयगत प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	आयगत प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	निम्न आयगत श्रेणी	15.60	29.20	55.02	100
		मध्यम आयगत श्रेणी	21.56	33.37	44.87	100
		उच्च आयगत श्रेणी	15.68	42.25	42.07	100
2.	परिवहन क्षेत्र	निम्न आयगत श्रेणी	36.70	20.65	42.65	100
		मध्यम आयगत श्रेणी	25.55	31.25	43.02	100
		उच्च आयगत श्रेणी	22.77	28.69	48.55	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी टूर आपरेशन क्षेत्र	निम्न आयगत श्रेणी	20.10	45.88	33.02	100
		मध्यम आयगत श्रेणी	23.10	27.15	49.75	100
		उच्च आयगत श्रेणी	22.45	27.15	50.21	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	निम्न आयगत श्रेणी	36.00	55.00	09.00	100
		मध्यम आयगत श्रेणी	32.70	52.36	14.94	100
		उच्च आयगत श्रेणी	37.25	16.66	46.09	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

उक्त तालिका के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि महिलाओं की आय में बढ़ोत्तरी होने से उनकी व्यवसायिक गतिशीलता का प्रतिशत क्रमशः बढ़ता हुआ प्रतीत होता है। जिसमें खरीददारी कार्यो से जुड़ी कामकाजी महिलाओं में 55.02 प्रतिशत महिलाएँ निम्न आयु समूह की है, जबकि 42.07 प्रतिशत कामकाजी महिलाएँ उच्च आय समूह से है। परिवहन के कार्यो से जुड़ी उच्च आयु समूह की महिलाओं का प्रतिशत 48.55 है जबकि इसी क्षेत्र में कार्यरत निम्न आयु की कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 42.65 है। ट्रेवल व्यवसाय में लगी महिलाओं में गतिशीलता का स्तर उच्चतम स्थिति में उच्च आय समूह की महिलाएँ है जिनका प्रतिशत 50.21 है, जबकि निम्नतम् गतिशीलता स्तर में निम्न आय समूह की है। होटल व्यवसाय में कार्यरत महिलाओं में जहाँ उच्चतम् आयु समूह में गतिशील महिलाओं का प्रतिशत 46.21 है वहीं निम्नतम् आय समूह में गतिशीलता का प्रतिशत मात्र 9 है। अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि निम्न आय समूह की महिलाओं में गतिशीलता के स्तर की तुलना में उच्च आय समूह की महिलाओं में गतिशीलता अधिक है।

5.6. कार्यशील महिलाओं की शैक्षणिक प्रास्थिति

शिक्षा का प्रभाव समाज के सभी व्यक्तियों व वर्गो में पड़ता है। शिक्षा से व्यक्ति का सामाजिक–आर्थिक एवं राजनैतिक विकास होता है।[10] कामकाजी महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति से उनमें व्यावसायिक गतिशीलता उत्तरोत्तर बढ़ती है। अध्ययन क्षेत्र के प्रतिदर्शित कामकाजी महिलाओं को शिक्षा की दृष्टि से प्राथमिक, माध्यमिक, स्नातक, परास्नातक तथा व्यवसायिक शिक्षा के कुल पाँच स्तरों में विभक्त कर शिक्षा और गतिशीलता के बीच अन्तःसंबंधों को निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका 5.6: कार्यशील महिलाओं की शैक्षणिक प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	शैक्षणिक प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	प्राथमिक शिक्षा प्राप्त	45.00	22.00	33.00	100
		माध्यमिक शिक्षा प्राप्त	25.80	35.30	38.90	100
		स्नातक शिक्षा प्राप्त	32.00	31.00	37.00	100
		स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त	26.56	33.76	39.68	100
		व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त	32.32	24.00	44.00	100
2.	परिवहन क्षेत्र	प्राथमिक शिक्षा प्राप्त	45.00	35.00	20.00	100
		माध्यमिक शिक्षा प्राप्त	43.33	34.65	22.12	100
		स्नातक शिक्षा प्राप्त	37.56	37.26	24.92	100
		स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त	30.36	25.65	43.99	100
		व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त	23.26	27.50	49.24	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी टूर आपरेशन क्षेत्र	प्राथमिक शिक्षा प्राप्त	42.25	50.00	07.75	100
		माध्यमिक शिक्षा प्राप्त	24.30	62.10	13.60	100
		स्नातक शिक्षा प्राप्त	21.80	61.20	17.00	100
		स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त	27.35	45.65	27.00	100
		व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त	20.20	35.40	44.40	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	प्राथमिक शिक्षा प्राप्त	46.00	31.00	23.00	100
		माध्यमिक शिक्षा प्राप्त	49.00	25.00	2600	100
		स्नातक शिक्षा प्राप्त	26.68	26.10	47.22	100
		स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त	21.20	28.75	50.05	100
		व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त	22.10	24.15	53.75	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

उक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि कामकाजी महिलाओं में शिक्षा के विकास से उनकी व्यावसायिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है। खरीददारी के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं में व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में गतिशीलता का प्रतिशत उच्च है। जबकि इसी क्षेत्र में कार्यरत महिलाएँ जो प्राथमिक शिक्षा प्राप्त है उनमें व्यावसायिक गतिशीलता कम है। परिवहन के क्षेत्र में कार्यरत व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की गतिशीलता की स्थिति बेहतर है जबकि इसी क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं में प्राथमिक

शिक्षा प्राप्त महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट के व्यवसाय में कार्यरत उच्च शिक्षित व व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं में गतिशीलता का प्रतिशत उच्च है, जबकि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा प्राप्त महिलाएँ व्यावसायिक गतिशीलता के बारे में अगतिशीलत दृष्टिकोण रखती हैं। माध्यमिक से परास्नातक तथा व्यवसायिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त महिलाएँ तटस्थ महिलाओं का प्रतिशत लगभग समान है।

5.7. कार्यशील महिलाओं की वैवाहिक प्रस्थिति

कार्यशील महिलाओं की वैवाहिक स्थिति व व्यावसायिक गतिशीलता एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में है क्योंकि विवाहित महिलाएँ दूसरों के प्रति जो धारणा रखती है वहीं धारणा एक अविवाहित महिला नहीं रखती है। विवहित होने पर महिलाओं को विभिन्न लोगों के साथ सामाजस्य करना आसान हो जाता है। जिसके फलस्वरूप विवाहित महिलाएँ सोच समझकर विभिन्न मामलों में अपना दृष्टिकोण व्यक्त करती हैं।[11] महिलाओं की वैवाहिक स्थिति व उनके पेशे के प्रति गतिशीलता के स्तर को निम्न तालिका प्रदर्शित किया गया है–

तालिका 5.7: कार्यशील महिलाओं की वैवाहिक प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	जातीय प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र क्षेत्र	विवाहित	24.00	35.00	41.00	100
		अविवाहित	26.10	29.25	44.65	100
2.	परिवहन क्षेत्र	विवाहित	23.27	25.10	51.63	100
		अविवाहित	30.00	20.00	50.00	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी एवं टूर आपरेशन क्षेत्र	विवाहित	21.25	23.25	55.00	100
		अविवाहित	44.00	22.00	34.00	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	विवाहित	18.00	35.30	46.70	100
		अविवाहित	40.00	36.00	24.00	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

तालिका द्वारा प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि खरीददारी क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की सबसे अधिक संख्या उन अविवाहित महिलाओं की है जो व्यावसायिक गतिशीलता का दृष्टिकोण रखती हैं। जबकि उनमें अगतिशीलता का प्रतिशत मात्र 26.10 प्रतिशत है। दूसरी ओर जो महिलाएँ विवाहित है उनमें गतिशीलता का प्रतिशत केवल 41 है, जबकि इस समूह में व्यवसाय के प्रति तटस्थता का का भाव रखने वाली महिलाओं का प्रतिशत 35 है।

5.8. कार्यशील महिलाओं की पारिवारिक प्रस्थिति

महिलाओं की पारिवारिक संरचना उनकी व्यावसायिक समृद्धता व जीवन निर्वाह हेतु आर्थिक गतिशीलता का कार्य करती है। भारतीय समाज में पारिवारिक संरचना महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक गतिशीलता हेतु रक्षा कवच होती है।[12] तालिका क्रमांक 5.8 में अध्ययन क्षेत्र की कार्यरत महिलाओं की पारिवारिक संरचना उनके व्यावसायिक स्थिति को व्यक्त किया गया है–

तालिका 5.8: कार्यशील महिलाओं की पारिवारिक प्रास्थिति

क्र.सं.	कार्यशील क्षेत्र	पारिवारिक प्रास्थिति	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	संयुक्त परिवार	45.44	36.26	18.33	100
		एकाकी परिवार	17.00	42.00	42.00	100
2.	परिवहन क्षेत्र	संयुक्त परिवार	38.00	45.00	17.00	100
		एकाकी परिवार	25.00	35.00	40.00	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी एवं टूर आपरेशन क्षेत्र	संयुक्त परिवार	14.00	40.00	46.00	100
		एकाकी परिवार	20.00	55.00	25.00	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	संयुक्त परिवार	42.00	33.00	25.00	100
		एकाकी परिवार	18.00	35.00	47.00	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

तालिका द्वारा प्राप्त आंकडों से ज्ञात हुआ कि पर्यटन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की कार्यशील गतिशीलता का स्तर भिन्न–भिन्न प्रकृति का है। संयुक्त परिवार की उपेक्षा एकाकी परिवार की महिलाओं में व्यावसायिक गतिशीलता का स्तर उच्च है। खरीददारी क्षेत्र के अन्तर्गत एकाकी परिवार की महिलाएँ उच्च गतिशीलता रखती है जबकि परिवहन, ट्रेवल ऐजेसी व टूर अपरेटशन, होटल व रेस्ट्रारेन्ट व्यावसाय आदि के क्षेत्र में कार्यरत संयुक्त परिवर की महिलाएँ गतिशील है। प्राप्त आंकडों से स्पष्ट हुआ है कि व्यवसायिक गतिशीलता के प्रति संयुक्त एवं एकाकी परिवार की महिलाएँ तटस्थता का दृष्टिकोण रखती है। अतः महिलाओं में पारिवारिक कार्यो के साथ–साथ उनमें व्यवसाय व पेशे के प्रति समायोजन का स्तर बढ़ रहा है।

5.9. कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक प्रास्थिति

व्यवसाय व पेशा व्यक्ति के दृष्टिकोण को निर्धारित करने वाले कई कारको में से एक प्रमुख कारक माना जाता है। व्यक्ति अपने पेशागत कार्य के संबंध में अनेक व्यक्तियों के संम्पर्क में आता है, साथ ही वह अपने क्रियाओं में संलग्न होता है।[13] इस प्रकार जीवनयापन के संदर्भ में वह दूसरों के संम्पर्क में आकार उनसे प्रभावित भी होता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति का दृष्टिकोण व उसकी अभिवृत्ति पेशे व व्यवसाय के निर्धारण में महत्व रखता है।[14] वस्तुतः इन्हीं कारकों से अध्ययन क्षेत्र की महिलाओं में व्यावसायिक प्रास्थिति को ज्ञात किया गया है। महिलाओं में पेशागत भिन्नताएँ व व्यायवसायिक गतिशीलता के प्रति उनके दृष्टिकोण को ज्ञात करने हेतु व्यवसाय की प्रकृति (दैनिक परिश्रम, स्वयं का व्यापार व नौकरी पेशा) एवं व्यवसाय क्षेत्र (हस्तशिल्प, औद्योगिक इकाई, दस्तकारी, होटल, रेस्ट्रारेन्ट, पर्यटक आवास, ट्रेवल ऐजेसी, टूर आपरेशन, दुकाने, एपोरियम, सरकारी, गैर–सरकारी व औद्योगिक प्रतिष्ठान) को सलग्न कर यह जानने का प्रयास किया गया है कि महिलाओं में व्यावसायिक

गतिशीलता किस रूप में उनके दृष्टिकोण को प्रभावित करती है। प्राप्त आंकड़ों को तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका 5.9: कार्यशील महिलाओं की व्यावसायिक प्रास्थिति

क्र.सं.	व्यवसाय क्षेत्र	व्यवसाय की प्रकृति व श्रेणी	अगतिशील	तटस्थ	गतिशील	प्रतिशत
1.	खरीददारी (शापिग) क्षेत्र	दैनिक परिश्रम	15.00	42.00	43.00	100
		स्वयं का व्यापार	21.00	28.00	51.00	100
		नौकरी पेशा	16.00	34.00	50.00	100
2.	परिवहन क्षेत्र	दैनिक परिश्रम	05.00	60.00	35.00	100
		स्वयं का व्यापार	27.00	36.35	37.00	100
		नौकरी पेशा	23.00	35.00	42.00	100
3.	ट्रेवल ऐजेसी एवं टूर आपरेशन क्षेत्र	दैनिक परिश्रम	28.00	38.00	34.00	100
		स्वयं का व्यापार	25.00	33.00	42.00	100
		नौकरी पेशा	20.00	37.00	43.00	100
4.	होटल एवं रेस्ट्रारेन्ट क्षेत्र	दैनिक परिश्रम	24.00	35.00	41.00	100
		स्वयं का व्यापार	25.00	32.00	43.00	100
		नौकरी पेशा	20.00	37.00	53.00	100

स्रोतः प्राथमिक आंकड़े (मई–जून 2018)

उक्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि खरीददारी क्षेत्र में लगी महिलाओं में गतिशीलता स्तर तीनों श्रेणियों की महिलाओं में अधिक है। जबकि वे महिलाएँ जो अपना स्वयं का होटल, रेस्ट्रारेन्ट, लॉज इत्यादि चला रही हैं उनमें अगतिशीलता का प्रतिशत नौकरी पेशे में लगी महिलाओं से कही अधिक है। इसी समूह में गतिशील महिलाओं का प्रतिशत 43 है। व्यापार व नौकरी पेशा में लगी हुई जो महिलाएँ तटस्था का दृष्टिकोण रखती है उनका प्रतिशत क्रमशः 32 और 37 है।

6. निष्कर्ष सुझाव

कार्यशील महिलाओं में व्यवसायिक गतिशीलता की प्रास्थिति मुख्य रूप से उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि के विविध कारकों से प्रभावित होती है। कामकाजी महिलाओं में गतिशीलता की व्यापकता व्यावसाय व पेशे के प्रकृति अनुसार अलग–अलग है। वैवाहिक स्थिति पारिवारिक दशा, बच्चों के भविष्य इत्यादि के कारण इनमें गतिशीलता का स्तर परिवर्तित हुआ है। महिलाओं में व्यवसायकि गतिशीलता विषयक भिन्नता उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि अर्थात जाति, उम्र, आय, शिक्षा तथा व्यावसायिक भिन्नताएँ इत्यादि के अन्तःसंबंधों से सत्यापित होता है। अर्थात कार्यशील महिलाओं में व्यावसायिक गतिशीलता का स्तर सभी में समान रूप से नहीं पाया जाता है। महिलाओं में पायी जाने वाली गतिशीलता विषयक भिन्नताओं का उनकी सामाजिक कारकों विशेषकर जाति, उम्र, आय, शिक्षा और व्यावसायिक भिन्नताओं से गहरा संबंध है। प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि महिलाओं में आत्मनिर्भरता का स्तर बढ़ा है। उच्च शिक्षित महिलाएँ अपने घरेलू दायित्वों के साथ–साथ उनके पेशागत कार्यो में व्यावसायिक उन्मुखता व समायोजन की भावना प्रवल हुई है। महिलाएँ अपने पेशे के प्रति विद्यमान व्यावसायिक गतिशीलता परिवार व कार्यस्थल दोनों में समायोजन और संयोजन का भाव रखती हैं। व्यावसायिक गतिशीलता को बनाये रखने में पति–पत्नी का परस्पर सहयोग प्राप्त होता है। अधिकांश कार्यशील महिलाओं के सदस्य पूरी तरह से सहयोग देते हैं। महिलाएँ जो कार्य करके धन कमाती है वह इस धन को अक्सर परिवार के हित में व्यय करती हैं। कार्यशील महिलाओं को बाहर जाकर नौकरी करना तभी सफल हो सकता है जबकि उन्हें उनका पारिवारिक सहयोग पूर्ण रूप से प्राप्त हो। पति–पत्नी के परस्पर सहयोग की भावना होने से ही कार्यशील होने की प्रेरणा महिलाओं को विविध आयामों से प्राप्त होती है जिससे वे व्यावसायिक गतिशीलता ही ओर अग्रसर होती हैं। महिलाएँ व्यावसायिक दृष्टिकोण रखने के कारण शारीरिक, मानसिक तनावों व द्वन्द्वों से निकलना बेहतर जानती है। अतः प्राप्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि महिलाओं में व्यवसाय व नौकरी के प्रति जागरूकता का स्तर बढ़ा है। कार्यशील महिलाओं में आयु संबंधी अन्तर इनके व्यावसायिक गतिशीलता में बाधक है तथा आयु का स्तर महिलाओं की व्यावसायिक गतिशीलता को प्रभावित करता है।

7. संदर्भ सूचि

1. Singh, Pramod Kumar. An Analysis of Customer Relationship Management in Hotel industry with special reference to Khajuraho, International Journal of Social Science. 2014; 2(3):11-15.
2. Jayswal, Dinesh Kumar, Jaiswal, Mona, Women's participation and Tourism industry: An overview, Research J. Humanities and Social Sciences. 2015; 6(4):269-273.
3. Kapoor, Pramila. Marriage in India and Working Women, Rajkamal Prakashan, Jahngeerpur, 2010, 22-28.
4. Devi, Indira. The Status of Women in Initiate India, Motilal Banarsidas, Varanasi, 1955, 35-40.
5. Kapoor P. Women in the Home, N. K. Basin (Ed.) The Position of Women in India, Mumbai, 1977, 48-49.
6. Cave P, Kilic S. The Role of Women in Tourism Employment with Special Reference to Antalya, Turkey. Journal of Hospitality Marketing and Management. 2010; 19(3):280-292.
7. Dubey SC. Man and Women Role in India, Sociological Review, Paris, 1963.
8. Kapadiya KM. Marriage and Family in India, Oxford University Press, Mumbai, 1955, 42-47.
9. Seth M. Women and Development- The India Experience, Sage Publication India Private Limited, New Delhi, 2001, 56-58.
10. Rout HB, Mohanty K. Empowering Women through Tourism Development, Odisha Review, 2015, 85-89.
11. ILO–UNDP. Work and family: Towards new forms of reconciliation with social co-responsibility, Santiago, 2009.
12. Hoffman LW. Parental Power Relation and the Division of Household, Marriage and Family in living, 1960, 27-35.
13. Tijdens K, Van Klaveren M. Young women in service sector occupations, in Wage Indicator Data Report, Amsterdam, Wage Indicator Foundation, 2011.
14. Krishna Kumari J. Woman Empowerment through Entrepreneurship in Service Sector with special Reference to SHGs in Tourism. 2014; 3(9):28-30.